पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2023–24

P. G. Diploma in Chhattisgarhi Language and Literature

विषय – छत्तीसगढ़ी भाषा एवं व्याकरण प्रश्न–पत्रः प्रथम

पूर्णांक : 30 न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. छत्तीसगढ़ के पश्चिम में कौन-सी पर्वत श्रेणियाँ हैं ?
2. अरपा नदी के किनारे कौन-सा शहर बसा है ?
3. छत्तीसढ़ी के पहले व्याकरण कब प्रकाशित हुए ?
4. छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस कब मनाया जाता है ?
5. 'छत्तीसगढ़ी-सुराज' के रचनाकार कौन थे ?
6. छत्तीसगढ़ के प्रथम महाकवि का नाम बताइए।
7. 'आवा' उपन्यास के लेखक का नाम लिखिए।

8. 'कपिल नाथ कश्यप' का जन्मस्थान लिखिए।

खण्ड—ब

9. छत्तीसगढ़ी उपसर्गयुक्त **दो** शब्दों को लिखिए।
10. छत्तीसगढ़ी में उर्दू के प्रभावयुक्त **दो** शब्दों को लिखिए।
11. छत्तीसगढ़ी की किन्हीं **दो** लोकोक्तियों का उदाहरण दीजिए।
12. छत्तीसगढ़ी के पूर्व यहाँ कौन-सी भाषा का चलन रहा होगा ?
13. उत्तर भारत के लोग मुख्य रूप से किस मत के उपासक होते हैं ?
14. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** छत्तीसगढ़ी शब्दों का हिन्दी रूप लिखिए :

    (क) सुआ

    (ख) मेछा

    (ग) भंइसा

    (घ) परछी

    (ङ) दरमी

(च) कोकड़ा

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. निम्नांकित में से किन्हीं **पाँच** छत्तीसगढ़ी मुहावरों का हिन्दी अर्थ लिखिए :

    (क) अइंठू होना

    (ख) अंगठी देखाना

    (ग) अंगार फूँकना

    (घ) गोठ उसरना

    (ङ) जटा बढ़ाना

    (च) काम परना

16. मानक छत्तीसगढ़ी के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
17. पाठ्य-पुस्तक में वर्णित 'साहित्य में छत्तीसगढ़ी शब्द का प्रयोग' के सम्बन्ध में प्रकाश डालिए।
18. छत्तीसगढ़ी के प्रशासनिक शब्दों का महत्व प्रतिपादित कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. छत्तीसगढ़ी भाषा की आधारभूत शब्दावली पर प्रकाश डालिए।
20. छत्तीसगढ़ी त्यौहार हरेली एवं तीजा के सम्बन्ध में विचार व्यक्त कीजिए।
21. छत्तीसगढ़ में नदियों की स्थिति पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए।
22. छत्तीसगढ़ की वन संपदा के सम्बन्ध में संक्षिप्त जानकारी दीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. छत्तीसगढ़ की भौगोलिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।
24. छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ी शब्दों के नामकरण पर विस्तृत विवरण प्रस्तुत कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 29 फरवरी 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2023–24 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2023–24 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2023–24

P. G. Diploma in Chhattisgarhi Language and Literature

विषय – छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य प्रश्न–पत्रः द्वितीय

पूर्णांक : 30 न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. साहेर कब गाया जाता है ?
2. टीकावन क्या है ?
3. छत्तीसगढ़ का गरबा किस गीत को कहा जाता है ?
4. गौरा-गौरी पर्व का सम्बन्ध किस जनजाति से है ?
5. भोजली का त्यौहार कब मनाया जाता है ?
6. वीरगाथा प्रधान एक छत्तीसगढ़ी गाथा का नाम लिखिए।

7. लोककथा के **पाँच** पक्षियों के नाम लिखिए।

8. गम्मत करने वालों को क्या कहते हैं ?

खण्ड—ब

9. भोजली गीत का परिचय दीजिए।

10. छत्तीसगढ़ी नाचा की विशेषताएँ बताइए।

11. ढोला मारू की संक्षिप्त कथा लिखिए।

12. फूलबासन की गाथा लिखिए।

13. पंडवानी गायन की **दो** शैलियों के नाम लिखिए।

14. छत्तीसगढ़ी लोककथाओं के वर्गीकरण के आधार लिखिए।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. छत्तीसगढ़ी लोकगीतों की प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिए।

16. देवार जाति के द्वारा गाई जाने वाली लोकगाथा का परिचय दीजिए।

17. लोककथा की महत्ता को स्पष्ट कीजिए।

18. छत्तीसगढ़ी लोककथा में देवी-देवताओं पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. छत्तीसगढ़ी पर्व गीतों पर प्रकाश डालिए।

20. लोकगीत ददरिया पर प्रकाश डालिए।

21. लोकगाथा की विशेषताएँ लिखिए।

22. छत्तीसगढ़ी लोककथा की विशेषताएँ लिखिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. छत्तीसगढ़ के प्रमुख लोकनाट्यों पर प्रकाश डालिए।

24. छत्तीसगढ़ी पहेलियों पर प्रकाश डालिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 29 फरवरी 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2023–24 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2023–24 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2023–24

P. G. Diploma in Chhattisgarhi Language and Literature

विषय – छत्तीसगढ़ी साहित्य प्रश्न–पत्रः तृतीय

पूर्णांक : 30 न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. छत्तीसगढ़ का गांधी किसे कहा गया है ?
2. 'सरद रितु आगे' किसकी रचना है ?
3. कुंज बिहारी चौबे की मृत्यु किस सन् में हुई ?
4. 'तोर सुगंध रातरानी हर' प्रस्तुत पंक्ति किस रचना से ली गई है ?
5. हरि ठाकुर की किन्हीं **दो** काव्यकृतियों के नाम लिखिए।
6. डॉ० नरेन्द्र देव वर्मा द्वारा लिखित उपन्यास का नाम लिखिए।
7. खरसिया में छत्तीसगढ़ी के किस गीतकार का जन्म हुआ था ?
8. डॉ० विनयकुमार पाठक के पिता का नाम लिखिए।

खण्ड—ब

9. 'आनी बानी भाल रखे हौं' का भावार्थ लिखिए।
10. पं. द्वारिका प्रसाद तिवारी की काव्यकृतियों का नामोल्लेख कीजिए ।
11. 'लहुंट आये हे मंटोरा' में कथानायक कौन है ? इसके रचनाकार का नाम लिखिए।
12. 'हाँसन दे' कहानी के प्रमुख पात्रों के नाम लिखिए।
13. शिवशंकर शुक्ल के कहानी संकलन का पूरा नाम लिखिए। यह कब प्रकाशित हुआ ?
14. 'जंगों के जोमर्दी' और किस नाम से जाना जाता है ?

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

    सुन पाहै कोनो कहूँ तब का हो है हाल ?

    आगी-लग जातिस अओ ऐसन उठा ख्याल।

16. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

    साधु जोगी ले बढ़के दरजा हे हमर।

    चल मोरे भैया बियास के नांगर।

17. डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा की कविताओं के भावपक्ष पर प्रकाश डालिए।
18. पं. श्यामलाल चतुर्वेदी की कहानियों के कथ्य की विवेचना कीजिए ।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19 . डॉ. परदेशी राम वर्मा की कहानियों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

20. "सुदामा राम गुप्त की कहानियाँ सामाजिक विसंगतियों, रूढ़ियों, अंधविश्वासों और शोषण के बहुविध रुचि के विरुद्ध रचनात्मक अभियान है।" इस कथन की युक्तियुक्त विवेचना कीजिए।
21. 'लहुंट आये हे मंटोरा' की सम्यक् विवेचना करते हुए इनकी विशेषताएँ लिखिए।
22. पं. सुन्दरलाल शर्मा की काव्यकृति 'छत्तीसगढ़ी दानलीला' के भावपक्ष एवं कलापक्ष की विवेचना कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. कथा तत्वों के आधार पर डॉ० पालेश्वर शर्मा की लोकोन्मुख कहानी 'नांव के नेह मां' की विस्तृत विवेचना कीजिए।

24. "लाला जगदलपुरी छत्तीसगढ़ी और हल्बी में सामंजस्य लाने वाले साहित्य साधक हैं।" सिद्ध कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 29 फरवरी 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2023–24 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2023–24 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2023–24

P. G. Diploma in Chhattisgarhi Language and Literature

विषय – प्रयोजनमूलक छत्तीसगढ़ी प्रश्न–पत्रः चतुर्थ

पूर्णांक : 30 न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. प्रयोजनमूलक भाषा में पर्यायवाची शब्द होते हैं। (सत्य/असत्य)
2. कामकाजी छत्तीसगढ़ी भाषा का स्वरूप कब से बढ़ा है ?
3. छत्तीसगढ़ी को राजभाषा का दर्जा कब मिला ?
4. छत्तीसगढ़ी की हस्तलिखित पत्रिका 'दुलरूवा' का प्रकाशन किसके द्वारा किया गया ?
5. हिन्दी के 'ऐ' और 'औ' स्वर को छत्तीसगढ़ी में क्या कहते हैं ?
6. सरकारी कार्यालयों में किस प्रारूपण का प्रयोग किया जाता है ?

7. 'लोकाक्षर' पत्रिका के सम्पादक का नाम क्या है ?

8. 'समझौता' शब्द को छत्तीसगढ़ी में लिखिए।

खण्ड—ब

9. छत्तीसगढ़ी में विज्ञापन को उदाहरण सहित लिखिए।

10. छत्तीसगढ़ी में रेडियो रंगीला कार्यक्रम पर लिखिए।

11. छत्तीसगढ़ी समाचार की किन्हीं **पाँच** वेबसाइट्स के नाम बताइए।

12. छत्तीसगढ़ी के कोई **पाँच** ब्लॉग लिखिए।

13. छत्तीसगढ़ी में निगम को शिकायत-पत्र लिखिए।

14. आकाशवाणी से प्रसारित होने वाले छत्तीसगढ़ी कार्यक्रमों की जानकारी दीजिए।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. छत्तीसगढ़ी भाषा में **पाँच** वनस्पतियों के नाम लिखिए।

16. प्रयोजनमूलक भाषा का अभिप्राय क्या है ?

17. प्रारूपण करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

18. छत्तीसगढ़ी में समाचार लिखिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. छत्तीसगढ़ी प्रेस विज्ञप्ति का नमूना प्रस्तुत कीजिए।

20. छत्तीसगढ़ी राजभाषा (संशोधन) विधेयक, 2007 पर प्रकाश डालिए।

21. छत्तीसगढ़ी परिपत्र का प्रारूप लिखिए।

22. समाचार लेखन में किन बिन्दुओं का ध्यान रखा जाता है ?

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. छत्तीसगढ़ी में पत्र-पत्रिकाओं के विकास पर लिखिए।

24. छत्तीसगढ़ी की प्रयोजनमूलकता पर प्रकाश डालिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 29 फरवरी 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2023–24 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2023–24 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**